कर दिए हैं। 14 मार्च को प्रवेश फार्म भरने

विवि ने वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। इसके तहत विवि के तीनों परिसरों

कॉलेजों के लिए 13 विषयों में 62 सीट निर्धारित हैं।

आरआईटी में आयोजित दीक्षांत समारोह में छात्र-छात्राओं को बांटी गई डिग्री। - स्रोत : संस्थान

आरआईटी के दीक्षांत समारोह में 117 छात्रों को दी गई उपाधि

संवाद न्यूज एजेंसी

रुड़की। पुहाना स्थित रुड़की इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। इसमें एमबीए, एमसीए, एमटेक और बीटेक के 117 छात्र-छात्राओं को उपाधि प्रदान की गई। डिग्री हासिल करते छात्र खुशी से झूम उठे।

समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड तकनीक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह, संस्थान के चेयरमैन सीए सत्येंद्र कुमार गुप्ता, संस्थान के वाइस चेयरमैन संजय अग्रवाल, मैनेजिंग ट्रस्टी नमन बंसल एवं यश अग्रवाल, संस्थान के महानिदेशक प्रो. एमजे निगम एवं निदेशक डॉ. पराग जैन ने किया। सरस्वती वंदना के बाद

डिग्री हासिल कर झूम उठे छात्र, कॉलेज की उपलब्धियां भी बताईं

वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड तकनीक विश्वविद्यालय का गीत गाया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. पराग जैन ने संस्थान की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

कुलपति प्रो ओंकार सिंह ने कहा कि प्रतिस्पर्धा के युग में हमें अपने ज्ञान से अपना स्थान बनाना है और स्वयं अपने को पहचान कर, अपनी योग्यता से स्वयं नियोक्ता बनना है। चेयरमैन सीए सत्येंद्र कुमार गुप्ता ने उपाधिधारकों को समय का सदुपयोग करने का परामर्श देते हुए कहा कि जीवन के उतार चढ़ाव दो पक्ष है इसलिए जीवन में हताशा नहीं आनी चाहिए।

वाइस चेयरमैन संजय अग्रवाल ने भी छात्रों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान कुलपति ने संस्थान के प्रांगण में पौधरोपण भी किया। समारोह का संचालन भानुप्रिया ने किया।

भाषण में दून की सिमरन प्रथम

देहरादून। डीआईटी विवि में नेहरू युवा केंद्र संगठन और युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय के निर्देशन में 'मेरा भारत विकसित भारत' विषय पर राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें 11 जिलों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसमें दून की सिमरन ने प्रथम स्थान, टिहरी गढ़वाल के धीराज कौशल ने द्वितीय और पिथौरागढ़ के सिमरन और रुद्रप्रयाग के राजेंद्र ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संवाद

ऋषि शे वाली

जेईई (मेन) में पाया

नई दिल्ली। ऋषि शेख जेईई (मेन) 2024 उल्लेखनीय उपलब्धि हा उन्होंने 300 में से पर अंक हासिल किए और कु 100 पर्सेंटाइल हासिल कि यात्रा उन प्रभावी रणनी महत्वपूर्ण तत्वों पर प्रकाश जिन्होंने उनकी सफलता प्रशस्त किया। ऋषि की स कहानी में आकाश इंस्टी प्रमुख योगदान है।

ऋषि की तैयारी चार च रणनीति के इर्द-गिर्द प्रत्येक अवधारणा व्याख्यान सुनकर, उ कठोर समस्या-समाध स्पष्टीकरण और विश्लेषण द्वारा सा समझा गया। इस दो